

सीमेंट का मूल्य

- *1752. श्री रामाचतार शर्मा :
 श्री प्रकाशबीर शास्त्री :
 श्री शिव कुमार शास्त्री :
 श्री रघुबीर सिंह शास्त्री :
 श्री आत्म दास :
 श्री अर्जुन सिंह भौरिया :
 श्री मधु लामये :
 डा० सूर्य प्रकाश पुरी :
 श्री बीरेन्द्र कुमार शाह :

क्या औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सीमेंट निर्माताओं ने सीमेंट के दाम बढ़ाये जाने के लिये सरकार से अनुरोध किया है ;

(ख) यदि हां, तो इसके लिये उन्होंने क्या कारण बताये हैं ; और

(ग) इस सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

औद्योगिक विकास तथा समवाय-कार्य मंत्री (श्री कृष्णदीन शर्मा ग्रहमद) :
 (क) जी, हां ।

(ख) उद्योग ने निम्नलिखित के लिए मांग की है :—

1. तीन प्रकार के विभिन्न संधारण मूल्यों के स्थान पर सभी उत्पादकों को समान संधारण मूल्य की अदायगी करना जिससे उद्योग के सभी एककों को पर्याप्त प्रोत्साहन दिया जा सके जिससे वे अपनी कार्य-कुशलता तथा उत्पादन बढ़ा सकें ।

2. सीमेंट के रेल तक निःशुल्क मूल्य में वृद्धि करना जिससे वितरण करने वाले संगठन को यातायात के बड़े व्यय से इस वर्ष हुई हानि की क्षतिपूर्ति की जा सके और वह समूचे देश में रेल तक समान निःशुल्क मूल्य पर ही सीमेंट का सम्भरण कर सकें ।

3. सीमेंट के संधारण मूल्य में वृद्धि और इसके परिणामस्वरूप रेल तक निःशुल्क मूल्य में वृद्धि करना जिसका आधा उत्पादन मूल्य में वृद्धि है जो महंगाई भत्ता मजदूरी, भविष्य निधि, बिजली शुल्क दर और बिजली कर, कोयले के भाड़े और घांस्तरिक सामान कोयले के मूल्य इत्यादि में वृद्धि के कारण हुई है ।

(ग) पहली दो मांगें अस्वीकार कर दी गई हैं और भाड़े की वृद्धि को पूरा करने के लिए उद्योग का तेल के अनुदान में से हुई बचत का इस्तेमाल करने की अनुमति दे दी गई है । इससे उपभोक्ताओं को जिस मूल्य पर इन समय सीमेंट दिया जा रहा है उस में किसी प्रकार की वृद्धि नहीं होगी । तीसरी मांग जो जलाई, 1967 में प्राप्त हुई थी, अभी विचाराधीन है ।

Accumulation of Yarn Stocks in Mills

*1753. **Shri Shri Gopal Saboo:**
Shri N. R. Laskar:

Will the Minister of Commerce be pleased to state:

(a) whether it is a fact that power shortage and heavy duty on powerlooms has resulted in accumulation of yarn stocks in mills;

(b) whether it is also a fact that powerloom factories are lying idle in Haryana; and

(c) if so, the action taken to overcome this difficulty?

The Deputy Minister in the Ministry of Commerce (Shri Shafi Qureshi):

(a) There has been some increase to the low off-take of yarn by powerloom units on account of (i) high prices of yarn in the pre-Budget period and (ii) closure of a large number of powerloom units in Maharashtra during June 1967, due to the proposed increase in Excise Duty on sized yarn of fine and super-fine counts. No representation has been received in the Ministry regarding power shortage.